

कार्गो हब से पश्चिमी यूपी के उत्पादों को लगेंगे पंख

व्यापारियों को अभी दिल्ली से विदेशों तक भेजना पड़ता है अपना सामान

रोहित शर्मा

यमुना सिटी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कार्गो हब बनने के बाद आने वाले समय में पश्चिमी यूपी के उत्पादों की धमक विदेशों तक आसानी से पहुंचा सकेगी। एयरपोर्ट में बने कार्गो के जरिए व्यापारी आसानी से अपने उत्पादों को विदेशों तक पहुंचा सकेंगे। वहीं, विदेश से सामान मंगाना भी आसान हो जाएगा। अभी उन्हें अपने उत्पाद को विदेशों तक पहुंचाने के लिए दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के कार्गो का सहारा लेना पड़ता है।

उत्तर प्रदेश समेत आसपास के जिलों की दिल्ली इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के कार्गो में अभी लगभग 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। क्योंकि अभी प्रदेश में कार्गो की सुविधा नहीं है, इसलिए व्यापारियों को अपना सामान विदेशों तक पहुंचाने के लिए दिल्ली जाना होता है। नोएडा से व्यवस्थाएं शुरू होने के बाद यह 40 प्रतिशत हिस्सेदारी जेवर में आ जाएगी, जिससे दिल्ली का लोड भी कम होगा और व्यापारी आसानी से अपना सामान भेज सकेंगे। नोएडा एयरपोर्ट पर कार्गो शुरू होने पर पश्चिमी यूपी के व्यापारियों को सबसे ज्यादा लाभ होगा। क्योंकि अभी उन्हें दिल्ली जाने में ज्यादा समय और रुपये खर्च करने होते हैं। इसके अलावा उन्हें ट्रैफिक और दिल्ली के कार्गो में एडवांस बुकिंग को देखते हुए पहले ही अपना माल भेजना पड़ता है। नोएडा से यह व्यवस्था शुरू होने के बाद पश्चिमी यूपी में बनने वाली दवाइयां, ताले, पीतल के बर्तन, टेक्सटाइल उत्पाद समेत विभिन्न वस्तुएं आसानी से विदेशों तक जा सकेंगी।



कृषि निर्यात को मिलेगा बढ़ावा

कार्गो हब बनने के बाद इस एयरपोर्ट का सबसे ज्यादा फायदा किसानों को मिलेगा। पूरे के साथ ही प्रदेश के खेती से सटे राज्य हरियाणा, राजस्थान समेत पंजाब और आसपास के किसान अपने कृषि उत्पादों को भी विदेशों तक आसानी से पहुंचा सकेंगे। कार्गो हब के अंदर अत्यधिक धमक का डीप प्रोजेक्ट भी तैयार किया जा रहा है, जो कृषि और दुग्ध उत्पादों को संभाल सकेगा। क्योंकि इन्हें संभालने के लिए एयरपोर्ट के अंदर एक्सीक्यूटिव स्क्वायर होगा। कोल्ड चेन की सुविधा के चलते कृषि, दुग्ध और चीट उत्पाद खराब नहीं होंगे।

ई बसों तक पहुंचने में परेशानी

यमुना सिटी। एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों को देखते हुए यहां ऑन-डिमांड कैब सेवा उपलब्ध है। विभिन्न कैब कंपनियों की ओर से एयरपोर्ट पर अपने कार्डेंटर भी स्थापित कर दिए गए हैं, जिससे यात्रियों को परेशानी न हो। कैब के साथ पॉसीर में ई बसों की सुविधा भी मौजूद है। ई बसों के मिलने का स्थान टर्मिनल से दूर होने के कारण लोगों को वहां तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

कार्गो संचालन में मददगार होगी अफकॉम कंपनी

यमुना सिटी। एआई सेटस और यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड ने नोएडा एयरपोर्ट से कार्गो संचालन के लिए साझेदारी की थी। यह साझेदारी अफकॉम कंपनी के साथ हुई है। चेन्नई स्थित इंटरनेशनल कार्गो एयरलाइन अफकॉम तीन बोइंग 737-800 मालवाहक विमानों के बेड़े का संचालन करती है। यह बैंगलूर, यांगून, हनोई, कोलंबो, माले और दुबई सहित प्रमुख गंतव्यों को सेवाएं प्रदान करती है। इससे उत्तर भारत में एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स और कार्गो हब के रूप में एयरपोर्ट की स्थिति और मजबूत होगी। व्यू